Class- I. Com XII
Subject- EPS
Title – Business Planning
Lecture – 12
Prepared by. Dr CPSahu
Marwari College. DBG.

व्यावसायिक योजना :- (1)

व्यावसायिक नियोजन ये व्यवसाय के लिए व्यापक निर्देशों का समूह है। नियोजन से आशय कुछ करने से पहले सोच-विचार करने से है। निर्धारित लक्ष्यों एवं उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए भविष्य में क्या करना है, किसे करना है, क्यों करना है, कब करना है, कैसे करना है एवं किन-किन साधनों के उपयोग से करना है इत्यादि बातों पर पूर्व निर्धारण ही नियोजन है। अपने सीमित उपलब्ध साधनों के अनुरूप सर्वोत्तम विकल्प का चयन ही नियोजन है।

इस तरह नियोजन किसी कार्य को करने से पूर्व सोच-विचार करने एवं सर्वोत्तम विधि के चयन करने की बौद्धिक प्रक्रिया है।

गोज के अनुसार :- "नियोजन प्राथमिक रूप में चयन करना है तथा नियोजन की समस्या उसी समय उत्पन्न होती है जबकि वैकल्पिक कार्यपक्षों का पता चलता है।"

ओडोनेल के अनुसार – "नियोजन एक बौद्धिक प्रक्रिया है, कार्य करने के मार्ग में सचेत निर्धारण है, निर्णयों को उद्देश्यों, तथ्यों तथा पूर्व विचारित अनुमानों पर आधारित करना है।"

न्यूमैन के अनुसार – "सामान्य रूप में, भविष्य में क्या करना है उसे पहले से ही तय करना नियोजन है। इस दृष्टि से नियोजन मानवीय आचरण का अत्यन्त व्यापक रूप है।"

एलन के अनुसार – "नियोजन भविष्य को पकड़ने के लिए बनाया गया पिंजरा है।"

वस्तुतः व्यवसाय नियोजन एक लिखित विवरण है है जिससे यह स्पष्ट होता है कि उद्यमी क्या करने जा रहा है उद्यमी क्या तथा उसे कैसे प्राप्त करना चाहता है इत्यादि के

Date ______
Page ______

संबंध में दिशा निर्देशन ही व्यवसाय नियोजन है। (2)

इस प्रकार उपर्युक्त परिभाषाओं के आधार पर कह सकते हैं, निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए भविष्य में कार्य कलापों के विषय में वैकल्पिक क्रियाओं में से सर्वोत्तम चयन के लिए निर्णय लिया जाना एवं निर्धारण किया जाना ही नियोजन है।

नियोजन की अवधारणा :-

(1) भारत की एस्कोर्ट्स कंपनी ट्रैक्टर उद्योग में भारत की अग्रणी फर्म बनना चाहती है। इसके लिए कंपनी के चेयरमैन को ट्रैक्टर निर्माण के लिए नये प्लान्ट लगाने, वर्तमान ~~प्लान्ट~~ प्लान्ट का विस्तार व आधुनिकीकरण करने इत्यादि के संबंध में भावी योजना तैयार करनी पड़ेगी।

(2) टाटा आयरन एण्ड स्टील कंपनी के उत्पादन प्रबंधन को वर्ष भर के स्टील का मासिक उत्पादन कोटा ~~निर्धारित~~ निर्धारित कर दिया गया है। उसे निर्धारित उत्पादन पाने के लिए योजना बनानी होगी। इसके लिए श्रमिक एवं कच्चा माल

(3) जबलपुर विश्वविद्यालय के कुलपति महोदय वहाँ के समस्त कालेज विद्यार्थियों को 3 वर्षों की अवधि में रोजगारपरक शिक्षा के अन्तर्गत लाना चाहते हैं। इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए कुलपति जी को यह योजना बनानी होगी कि कब, कौन से रोजगारपरक ~~शिक्षा~~ पाठ्यक्रम किन विद्यार्थियों में लागू किए जाए।

इस प्रकार उपर्युक्त तीनों उदाहरणों में संस्था तथा कार्यों की प्रकृति भिन्न-भिन्न होते हुए भी सभी के आवश्यकता समान है। लक्ष्य का निर्धारण तथा लक्ष्य की प्राप्ति के लिए प्रभावी योजना का निर्माण

x